Literacy for a Billion

Movie: Main Sundar Hoon
Year: 1971

Song: Mujhko Thand Lag Rahi Hai
Lyricist: Anand Bakshi

मुझको ठंड लग रही है
मुझसे दूर तू न जा
मुझको ठंड लग रही है
मुझसे दूर तू न जा
न जा न जा
न जा न जा

आग दिल में लगी है
मेरे पास तू न आ
आग दिल में लगी है
मेरे पास तू न आ
न आ न आ
न आ न आ

मुझको ठंड लग रही है
मुझसे दूर तू न जा

आग और पानी का संगम
हो तो क्या अंजाम हो
ओ हो ओ हो
ओ हो

आग और पानी का संगम
हो तो क्या अंजाम हो
आ हा आ हा
आ हा

नाम दोनों का ज़माने में
बहुत बदनाम हो

हाँ हाँ हाँ हाँ
हाँ हाँ

नाम दोनों का ज़माने में
बहुत बदनाम हो
हाँ हाँ हाँ हाँ
हाँ हाँ

जो बदनामी का डर था
तो फिर प्यार क्यों किया

मुझको ठंड लग रही है
मुझसे दूर तू न जा
न जा न जा
न जा न जा

आग दिल में लगी है
मेरे पास तू न आ

दूर रहना चाहिए थोड़ा सा
मुलाक़ात में
हाँ हाँ हाँ हाँ
हाँ हाँ

दूर रहना चाहिए थोड़ा सा
मुलाक़ात में
हाँ हाँ हाँ हाँ
हाँ हाँ
क्या कहा फिर से तो कहना

हाथ लेकर हाथ में
ओ हो ओ हो
ओ हो

क्या कहा फिर से तो कहना
हाथ लेकर हाथ में
हाँ हाँ हाँ हाँ
हाँ हाँ

होश में रहने दे
मदहोश न बना

आग दिल में लगी है
मेरे पास तू न आ
न आ न आ
न आ न आ

मुझको ठंड लग रही है
मुझसे दूर तू न जा

क्या करूँ होंठों पे
इस दिल के फ़साने आ गए
ओ हो ओ हो

ओ हो
क्या करूँ होंठों पे
इस दिल के फ़साने आ गए
आ हा आ हा
आ हा

दो मुलाक़ातो में
तुझको सौ बहाने आ गए
ए हे ए हे
हे हे

दो मुलाक़ातो में
तुझको सौ बहाने आ गए
ए हे ओ हो
हो हो

लोग सुनते हैं सारे
आहिस्ता आहिस्ता

मुझको ठंड लग रही है
मुझसे दूर तू न जा
न जा न जा
न जा न जा

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.